भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2272 का उत्तर

छत्तीसगढ़ में रेलवे का विस्तार

2272. श्री बृजमोहन अग्रवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ में रेलवे के विकास के लिए स्वीकृत परियोजना/निर्माण/रेलगाड़ियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) आज की तिथि तक पूर्ण हो चुके और लंबित कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) कार्यों के लंबित रहने के क्या कारण हैं तथा लंबित कार्यों के कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(घ) क्या छत्तीसगढ़ से रायपुर-जबलपुर, रायपुर-इंदौर, रायपुर-हैदराबाद, रायपुर-जयपुर सहित नई रेलगाड़ियां शुरू करने का कोई प्रस्ताव/योजना है और यदि हां, तो इनके कब तक शुरू होने की संभावना है और यदि नहीं, तो क्या सरकार इस दिशा में विचार करेगी?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद

सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

समस्त रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित जोन-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

पिछले 5 वर्षों अर्थात 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में, छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 2683 करोड़ रुपए की लागत वाली 206 किलोमीटर लंबाई की 14 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 2,731 कि.मी. कुल लंबाई वाली 37,018 करोड़ रुपये लागत की 25 परियोजनाएं (08 नई लाइनें और 17 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 882 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 14,919 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	8	1358	184	6154
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	17	1373	698	8765
कुल	25	2731	882	14919

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-2014	311 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-2025	6922 करोड़ रु. (22 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली नई रेल पटरियों की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई
2009-14	32 कि.मी.	6.4 कि.मी प्रति वर्ष
2014-24	999 कि.मी.	99.9 कि.मी. प्रति वर्ष (15 गुना से ज्यादा)

किसी भी रेल परियोजना(ओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत में साझेदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा साझा लागत के भाग को जमा कराना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक क्लीयरेंस, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना(ओं) स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति आदि के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

रेल परियोजनाओं की शीघ्र मंजूरी और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयों की स्थापना, (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता,

(iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर धन के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि, (iv) क्षेत्रीय स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन, (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी, और (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी क्लीयरेंस और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए राज्य सरकारों एवं संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई शामिल है। इसके परिणामस्वरूप 2014 से कमीशनिंग की दर में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(घ) चूंकि, रेलवे नेटवर्क राज्य की सीमाओं में फैला हुआ है, इसलिए ऐसी सीमाओं में नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं। बहरहाल, छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित स्टेशनों के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पिछले पांच वर्षों (अर्थात 2020-21 से 2024-25 तक फरवरी, 2025) के दौरान प्रारंभिक/टर्मिनेटिंग आधार पर 08 नई गाड़ियाँ शुरू की गई हैं और 08 सेवाओं का विस्तार किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे पर नई गाड़ी सेवाओं की शुरुआत करना सतत प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता आदि के अधीन है।

****